

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार

वाणिज्य प्रथम वर्ष सत्र - १

'अनिवार्य हिंदी' पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

पाठ्यक्रम-उद्देश्य (OBJECTIVES) :

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास ।
- विद्यार्थियों पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग करना ।
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के मध्य का अंतर अवगत कराना ।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित कराना ।
- विद्यार्थियों को आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम बनाना ।

कार्यक्रम फलश्रुति (PROGRAMME OUTCOMES)

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा ।
- विद्यार्थी पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग होंगे ।
- विद्यार्थी एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के स्वरूपगत अंतर से अवगत होंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित होंगे ।
- आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम होंगे ।

पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOMES)

प्रस्तुत इकायों का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

- पौराणिक अथवा ऐतिहासिक घटनाओं को तार्किक आधार पर स्वीकार करेंगे ।
- अपने परिवेश के उचित और अनुचित व्यवहारों के प्रति आकलन शक्ति बढ़ेगी ।
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के मध्य का अंतर बताने में सक्षम होंगे ।
- कविता का रसास्वादन करने में समर्थ होंगे ।
- 'अनुवाद' के स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे ।
- 'मार्गिक नक्शे' का दैनिक जीवन में उपयोग करने में सक्षम होंगे ।

25.7.22
Aho
M
N
J
V
V

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र - १

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

- | | | |
|-----------------------------|---|----------------|
| १. भाईसाहब (कहानी) | - | प्रेमचंद |
| २. स्मृति (निबंध) | - | श्रीराम शर्मा |
| ३. गिल्लू (रेखाचित्र) | - | महादेवी वर्मा |
| ४. अभाव (कहानी) | - | विष्णु प्रभाकर |
| ५. महाभारत की साँझ (एकांकी) | - | भारतभूषण |
| ६. उखड़े खंवे (व्यंग्य) | - | हरिशंकर परसाई |

इकाई २ पद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

- | | | |
|---------------------------|---|-----------------------------|
| १. कबीर के दोहे | - | कबीरदास |
| २. ले चल यहाँ भुलावा देकर | - | जयशंकर प्रसाद |
| ३. स्नेह-निर्झर बह गया है | - | सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला" |
| ४. प्रथम रश्मि | - | सुमित्रानंदन पंत |
| ५. जीवन का झरना | - | आरसीप्रसाद सिंह |
| ६. कविता के साथ | - | दामोदर खड्गसे |

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

१. परिभाषिक शब्दावली (पाठ्यपुस्तक में वाणिज्य से संबंधित पारिभाषिक शब्दों का अंग्रेजी में हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अध्ययन अपेक्षित है।)
२. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया, प्रकार शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानवाद, आशु अनुवाद, अनुवाद के गुण इत्यादि।

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

१. वाचन कौशल्य (समाचार-वाचन, कहानी-वाचन)
२. मार्गिक नक्शा विश्लेषण (जी.पी.एस.)

25.7.22
Vilam
Schw?
AS
Vilam
M

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र - २ पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOME)

प्रस्तुत इकाइयों का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

- अंधविश्वासों को जानकर घटनाओं का कार्य-कारण भाव बताने में समर्थ होंगे।
- देशभक्ति, प्रेम और त्याग की वृत्ति से युक्त होंगे।
- प्रकृति-प्रेम भावों का उनमें संचार होगा।
- भूतकाल और वर्तमान काल का तुलनात्मक महत्त्व बता सकेंगे।
- मुहावरे और लोकोक्तियों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया के शिष्टाचारों से अवगत होंगे।
- 'ऑनलाइन आवेदन करने में समर्थ होंगे।
- ग्राहक सेवा-केंद्र से संवाद साधने में सक्षम होंगे।

25.7.22 @ 
Alho,  
AY 

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र २

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

१. प्रायश्चित (कहानी) - भगवतीचरण वर्मा
२. पाजेब (कहानी) - जैनेन्द्र कुमार
३. ब्रह्मराक्षस का शिष्य (कहानी) - गजानन माधव मुक्तिबोध
४. गपशप (निबंध) - नामवर सिंह
५. अफसर (व्यंग्य) - शरद जोशी
६. मोहन से महात्मा (रेडियो रूपक) - सुनील देवधर

इकाई २ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

१. सब उन्नति को मूल - भारतेन्दु हरिश्चंद्र
२. पुष्प की अभिलाषा - माखनलाल चतुर्वेदी
३. कलम और तलवार - रामधारी सिंह 'दिनकर'
४. वह दीप अकेला - अज्ञेय
५. बहुत दिनों के बाद - नागार्जुन
६. छाया मत छूना - गिरिजाकुमार माथुर

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

१. मुहावरे और लोकोक्तियाँ : पाठ्यपुस्तक में मुहावरे और लोकोक्तियाँ का अर्थ एवं वाक्य प्रयोग
२. विज्ञापन कला : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, शीर्षक का महत्त्व, विज्ञापन के प्रयोजन, सत्य, लक्ष्य, विज्ञापन की भाषा, अच्छे विज्ञापन के गुण इत्यादि।

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

१. सोशल मीडिया के शिष्टाचार
२. ऑनलाइन आवेदन, ग्राहक-सेवा केंद्र से संवाद

25.7.22
4
Vibha
M

वाणिज्य द्वितीय वर्ष

अनिवार्य हिंदी

पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

पाठ्यक्रम-उद्देश्य (OBJECTIVES):

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास ।
- विद्यार्थियों पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग करना ।
- विद्यार्थियों में विभिन्न संकटों और चुनौतियों को स्वीकारने की वृत्ति का विकास करना ।
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के मध्य का अंतर अवगत कराना ।
- विद्यार्थियों को आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम बनाना ।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण शक्ति का विकास करना ।

कार्यक्रम फलश्रुति (PROGRAMME OUTCOMES) :

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा ।
- विद्यार्थी पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग होंगे ।
- विभिन्न संकटों और चुनौतियों को स्वीकारने की वृत्ति उनमें विकसित होगी ।
- विद्यार्थी एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के स्वरूपगत अंतर से अवगत होंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित होंगे ।
- विद्यार्थी आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम होंगे ।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण शक्ति का विकास होगा ।

25.7.22 M → 10

2
Sch. - Truesel
Admin

Volume

Elton

पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOMES)

प्रस्तुत इकाई का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

- वन्य जीवन के पशुओं के प्रति संवेदनशील होंगे।
- परिवार में बड़ों के प्रति अपने दायित्व का बोध होगा।
- जीवन में पर्यावरण के घटकों का महत्व समझेंगे।
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के कौशलपूर्ण वाचन में समर्थ होंगे।
- देश और देशभक्ति के वास्तविक स्वरूप को बता सकेंगे।
- कविता का रसास्वादन कर सकेंगे।
- पद संक्षिप्तियों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
- 'दृश्य' और 'श्रव्य' साक्षात्कार में तुलना कर सकेंगे।
- 'साक्षात्कार' लेने में सक्षम होंगे।

25.7.22
Blw. Sharma Vilve Sharma
AN Vilve Sharma

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार
वाणिज्य द्वितीय वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३
सत्र - ३

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- | | |
|-----------------|---|
| • महात्मा गांधी | १. सच्ची सभ्यता कौनसी? (भेंटवार्ता) |
| • प्रेमचंद | २. बनमानुष की दर्दनाक कहानी (कहानी) |
| • दामोदर खड़से | ३. छड़ी (कहानी) |
| • हरीश नवल | ४. विक्रमार्क, बुढ़िया और सराय रोहिल्ला (व्यंग्य) |
| • मीरा कांत | ५. कागज़ी बुर्ज (एकल एकांकी) |
| • नीरज व्यास | ६. बिन पानी सब सून (व्यंग्य) |

इकाई २ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- | | |
|--------------------|--------------------------------------|
| • सूरदास | १. सूर के पद |
| • रहीम | २. रहीम के दोहे |
| • सोहनलाल द्विवेदी | ३. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती |
| • सुमित्रानंदन पंत | ४. बाणी |
| • कृष्णकुमार चौबे | ५. 'हिंदी' हिंद- हृदय की धड़कन |
| • सागर खादीवाला | ६. देशभक्ति की स्याही |

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

१. संक्षिप्तीकरण (पद-नाम)
२. साक्षात्कार: परिभाषा, उद्देश्य, सतर्कताएँ, सीमाएँ, प्रकार, महत्व।
(इसकी सामग्री अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से तैयार की जाए।)

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

१. प्रकल्प तथ्य-सामग्री-विश्लेषण (प्रोजेक्ट डेटा-एनालिसिस)
२. प्रत्यक्ष साक्षात्कार

25.7.22
delw. Jussier
TW
h
Vilave
AY
[Signature]

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र - ४

सत्र - ४ पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOMES)

प्रस्तुत इकाई का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

- चाटुकारिता और कर्मठता में अंतर बता सकेंगे।
- पारिवारिक रिश्तों की संवेदनशीलता के प्रति सजग हो सकेंगे।
- महाराष्ट्र के माध्यम से भारतीय-संस्कृति के वैशिष्ट्य को बता सकेंगे।
- प्रकृति और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील होंगे।
- संस्था-संगठन की संक्षिप्तियों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
- 'जीवन-वृत्त' के प्रकारों को बता सकेंगे।
- अपना जीवन-वृत्त स्वयं तैयार कर सकेंगे।
- किसी एक घटक पर 'गति शब्द-चित्र' (पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन) तैयार कर सकेंगे।
- 'संकेत-स्थल' (वेबसाइट) का विश्लेषण (एनालिसिस) करने में सक्षम होंगे।

25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22
25.7.22

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र - ४

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' १. प्रतिक्रिया : एक जीवन कसौटी (निबंध)
- बरसानेलाल चतुर्वेदी २. चाटुकारिता भी एक कला है (व्यंग्य)
- विनोद रस्तोगी ३. बहू की विदा (एकांकी)
- मालती जोशी ४. बकुल ! फिर आना (कहानी)
- सुनील देवधर ५. महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा (रूपक (फीचर) लेख)
- मीनाक्षी जोशी ६. 'मौन अभिव्यक्ति' दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भाषा (यात्रा संस्मरण)

इकाई २ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- बिहारी १. बिहारी के दोहे
- रामधारी सिंह 'दिनकर' २. जनतन्त्र का जन्म
- नागार्जुन ३. उनको प्रणाम !
- शिवमंगल सिंह 'सुमन' ४. चलना हमारा काम है
- मधुप पांडेय ५. माँ
- सरोज व्यास ६. सौरभ के फूलों...

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री 'विविध घटक'

१. संक्षिप्तीकरण (संस्था-संगठन के नाम)
२. जीवनवृत्त: परिभाषा, प्रारूप, विशेषताएँ, प्रकार।
(इसकी सामग्री अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से तैयार की जाए।)

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

घटक १ – गति शब्द-चित्र प्रस्तुति (पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन)

घटक २ – संकेत-स्थल विश्लेषण (वेबसाइट एनालिसिस)

25.7.22 (M) → [Signature] [Signature] [Signature]
[Signature] [Signature] मूल्यांकन पद्धति [Signature]

मूल्यांकन कुलांक : अंक १००

अंतर्गत मूल्यांकन : अंक २०

(इसमें इकाई ४ पर आधारित घटकों की प्रात्यक्षिक परीक्षा / प्रकल्प कार्य निहित होगा।)

लिखित परीक्षा : ८०

- प्रत्येक इकाई पर १६ अंक रहेंगे।
- पहला प्रश्न : गद्य विभाग : दीर्घोत्तरी प्रश्न (२ में से १) अंक : १६
- दूसरा प्रश्न : पद्य विभाग : दीर्घोत्तरी प्रश्न (२ में से १) अंक : १६
- तीसरा प्रश्न : गद्य-पद्य विभाग : लघूत्तरी प्रश्न (४-४ प्रश्नों के दो समूह। इनमें से किसी एक समूह के सारे प्रश्न हल करने हैं।) अंक : १६
- चौथा प्रश्न : इकाई ३ : लघूत्तरी प्रश्न (४-४ प्रश्नों के दो समूह। इनमें से किसी एक समूह के सारे प्रश्न हल करने हैं।) अंक : १६
- पांचवा प्रश्न : इकाई ४ : लघूत्तरी प्रश्न (४-४ प्रश्नों के दो समूह। इनमें से किसी एक समूह के सारे प्रश्न हल करने हैं।) अंक : १६

प्रस्तावित -
द्वारा :


डॉ. ईश्वर सोमनाथे
अध्यक्ष

डॉ. सोनू जेसवानी
सदस्य


डॉ. गजानन पोलेनवार
सदस्य

वाणिज्य भाषा अध्ययन मंडल

वाणिज्य भाषा अध्ययन मंडल

वाणिज्य भाषा अध्ययन मंडल


VH





